भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

अनुसूचित जाति के कृषकों के लिए समनी फार्म पर "प्रक्षेत्र परिक्षण" प्रदर्शन, दिनांक 18 फरवरी, 2026

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति के कृषकों के लिए संस्थान के प्रायोगिक, समनी फार्म पर "प्रक्षेत्र परिक्षण" (On Farm Trial) प्रदर्शन आयोजित कराया गया| इस कार्यक्रम में समनी गाँव के आसपास के गाँव के 65 किसानों ने भाग लिया| किसानों को सर्वप्रथम केन्द्र के अध्यक्ष डा अनिल चिंचमलातपुरे द्वारा संस्थान के बारे में जानकारी दी गयी कि क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच बारा क्षेत्र की काली लवणीय मृदा, फसल तथा पानी के प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करता है। इस क्षेत्र की समस्यायों को देखते हुए विभिन्न प्रकार के प्रायोगिक अनुसंधान जैसे गेंहू में सोलर संचालित सिंचाई, गेंहू तथा मक्के की विविध किस्मों का मूल्यांकन सरसों, कमलम फल, सहजन आधारित फसल प्रणाली के अनुसंधान के कार्य समनी फार्म पर चल रह हैं और इनकी विस्तृत रूप से जानकारी इस प्रक्षेत्र परीक्षण दी गई |

समनी फार्म में इस वर्ष रबी में नयी फसल मसूर की लवण सहनशील किस्म भी लगाई गई थी जिसे किसानों के उत्सुकता से देखा तथा इसकी खेती के बारे में जानकारी ली| कम लागत वाली खेती पद्धति की परियोजना भी किसानों को दिखाई गई जिसमें कपास, अरहर, सरसों तथा गेंहूँ की फसलें लगाई गईं थी| ड्रैगन फ्रूट की खेती से होने वाली अच्छी आमदनी को देखते हुए काली मृदाओं में ड्रैगन फ्रूट के विभिन्न किस्मों का लवण सहनशीलता के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है| कई किसानों ने इस फसल के प्रति अपना रुझान दिखाया| इसी प्रकार सहजन आधारित अन्तः फसल प्रणाली के लिए विभिन्न फसलों का मूल्यांकन किया जा रहा है| इस क्षेत्र के कुछ तालुका में अच्छे पानी की अनुपलब्धता है जिसकी वजह से रबी के मौसम में कृषि में बाधायें आतीं है और किसान फसल से अच्छा उत्पादन नहीं ले पाते है| इन समस्यायों के समाधान के लिए संस्थान के समनी फार्म पर अनुसूचित जाति उपयोजना के अनुदेय से सोलर से चलने वाली टपक (drip) तथा फव्वारा (sprinkler) सिंचाई का तंत्र भी दिखाया गया| इस समय इस प्रक्षेत्र में गेहूँ की लवण सहनशील किस्म KRL- 210 का प्रयोग लगाया गया है| एक अन्य परियोजना के तहत संस्थान में विकसित सरसों की लवण सहनशील किस्म का उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न अंतराल तथा पद्धति से वुबाई तथा ऑर्गैनिक तथा रासायनिक उर्वरकों के समेकित प्रबंधन का परीक्षण चल रहा है जिसके बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी गयी| भारत के विविध क्षेत्रों से लाई गेंहू तथा मक्का की किस्मों के लवणीय काली मृदाओं में मूल्यांकन के ट्राइल्स के बारें में भी किसानों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान के अध्यक्ष डा अनिल चिंचमलातपुरे, वैज्ञानिक डा मोनिका शुक्ला, तथा तकनीकी अधिकारी चंपक ताविया़ड, बलवंत डामोर तथा दिनेश मीना तथा सहायक कर्मचारी दिलीप वाघेला ने भरपूर योगदान दिया।

प्रक्षेत्र परिक्षण (On Farm Trial)

के समनी प्रायोगिक प्रक्षेत्र पर विभिन्न वैज्ञानिक
प्रक्षेत्र परिक्षण (On Farm Trial)

के समनी प्रायोगिक प्रक्षेत्र पर विभिन्न वैज्ञानिक
प्रक्षेत्र परिक्षण (On Farm Trial)